जन-कहावतें

भारत ज्ञान विज्ञान समिति

नव जनवाचन आंदोलन

इस किताब का प्रकाशन भारत ज्ञान विज्ञान समिति ने
'सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट' के सहयोग से किया है।
इस आंदोलन का मकसद आम जनता में
पठन-पाठन संस्कृति विकसित करना है।

जन कहावतें तापोश चक्रवर्ती	***Jan Kahawaten*** **Taposh Chakravorty**
हिंदी अनुवाद के.बी. सिंह	***Hindi Translation*** **K. B. Singh**
पुस्तकमाला संपादक तापोश चक्रवर्ती	***Series Editor*** **Taposh Chakravorty**
कॉपी संपादक कंचन शर्मा	***Copy Editor*** **Kanchan Sharma**
रेखांकन अंशुमान	***Illustration*** **Anshuman**
कवर एवं ग्राफिक्स जगमोहन	***Cover and Graphics*** **Jagmohan**
प्रथम संस्करण सितम्बर, 2007	***First Edition*** **Sepember, 2007**
सहयोग राशि 25 रुपये	***Contribution*** **Rs. 25**
मुद्रण सन शाइन ऑफसेट नई दिल्ली - 110 018	***Printing*** **Sun Shine Offset** **New Delhi - 110 018**

Publication and Distribution

Bharat Gyan Vigyan Samiti

Basement of Y.W.A. Hostel No. II, G-Block, Saket , New Delhi - 110 017

Phone : 011 - 26569943, Fax : 91 - 011 - 26569773

Email : bgvs_delhi@yahoo.co.in, bgvsdelhi@gmail.com

website: www. bgvs.org

BGVS SEPTEMBER 2007 2K 2500 NJVA 0058/2007

हम लेखकों के विचारों की स्वतंत्रता में विश्वास करते हैं, सहमति/असहमति अलग बात है।

जन-कहावतें

संकलन
तापोश चक्रवर्ती

विषय सूची

1.	परिचय	4
2.	अफ़्रीकी	6
3.	फ़ारसी	16
4.	अफ़गानी	19
5.	यहूदी	21
6.	चीनी	26
7.	यूनानी	33
8.	लैटिन	35
9.	अरबी	38
10.	तुर्की	42
11.	स्पेनी	44
12.	इतावली	48

परिचय

हम सभी जानते हैं, कहावतें क्या हैं। बचपन से ही, बड़े होने के साथ-साथ ज़िंदगी के हर मोड़ पर हमें कहावतें मिलती रहती हैं। यह बात सभी देशों में और इतिहास में हर समय पाई जाती है। कहावतें क्यों बनी हैं? उनका काम क्या है? ये वास्तव में बहुत गहरे सवाल हैं।

कहावतों में 'कहावत' का सार देखें। कन्नड़ कहावत है; 'वेद गलत हो सकते हैं, कहावतें नही'। जर्मन कहावत है, 'देश की पहचान उसकी कहावतों के चरित्र से होती है' तथा यहूदी कहावत है 'कहावत एक सच्ची दुनिया है'। इन मामलों का अध्ययन करनेवाले सभी विद्वान सहमत हैं कि कहावतें मानवीय अनुभव का अंतिम, अवशिष्ट, एवं निचोड़ हैं। जब सभी विचारधाराओं, दर्शनों और मानवीय प्रयासों की जांच-परख हो जाती है और वास्तविक मानवीय अनुभव से उन पर फ़ैसला हो जाता है, तब जो बचता है वह हमारी कहावतों में शामिल होता है। इसलिए हमें कहावतों में दुख की अभिव्यक्तियां, आशाएं, सपने, व्यंग्यात्मक जवाब, कड़वे यथार्थ और जीवन के बोझ का सत्य दिखानेवाले अनेकानेक रंग दिखाई देते हैं। एक दूसरी कहावत बनाते हुए कहा जा सकता है कि कहावतें मानव के अस्तित्व का आइना है और ये महज़ आइना नहीं हैं।

कहावतों का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम यह है कि लिखे शब्दों, छपाई, खुदे या रंगीन चित्रों या 'बर्न' सीडी / डीवीडी के विपरीत कहावतें मौखिक माध्यम में तैयार होती है और संग्रहीत की जाती हैं। इसी कारण कहावतें सबसे स्वतंत्र ज्ञान है, इंटरनेट से भी अधिक स्वतंत्र।

एक और महत्वपूर्ण बात है। एक कहावत के अनुसार, 'पैसों की फिक्र करो, रुपये अपनी चिंता खुद कर लेंगे।' जबकि दूसरी कहती है, 'पैसों की फ़िक्र करो, रुपये की फ़िक्र तुम्हारी विधवाओं के पति करेंगे। दो स्वर या तेवर नज़र आते हैं। एक बात कही जाती है, 'काम ही पूजा है', जबकि दूसरी के

अनुसार, 'कम वेतन पर काम करने से खाली बैठना अच्छा।' सभी भाषाओं की हज़ारों-हज़ारों कहावतों में तलाश करने पर पता चलता है कि लगभग हर कहावत का स्वर और चरित्र इन दो समूहों में से एक का होता है। एक समूह को 'अनुशासनवादी' और दूसरे को 'बागी' कहा जा सकता है।

थोड़ा विचार करने से साफ़ हो जाएगा कि यह मामला ऐसा ही होना चाहिए क्योंकि मानव इतिहास वर्ग संघर्षों के अलावा और किसी चीज़ का इतिहास नहीं है। कहावतों में भी यह किसी दूसरी तरह हो भी नहीं सकता। मानव इतिहास के दो मुख्य समूह सत्तारूढ़ वर्ग और मज़दूर वर्ग हैं और ये कहावतों के क्षेत्र में भी अभिव्यक्त होते हैं। इस संकलन में जनता की कहावतों को इकट्ठा रखने की कोशिश की गई है, शासक वर्ग की कहावतों को छोड़ दिया गया है– क्योंकि प्रचलित हर मीडिया में उनका बारंबार प्रचार हो ही रहा है।

यह जन-कहावतों की किताब है। ऐसे और भी बहुत से प्रयास हो सकते हैं और होने भी चाहिए। हालांकि ये कहावतें बहुत से देशों की हैं, पर इच्छा थी कि दक्षिण-पूर्व एशिया और दक्षिण अमेरिका को और अच्छी तरह शामिल किया जाता, पर ऐसा हो नहीं पाया। एक बात और। कुछ पाठकों को कहावतें आज के संदर्भ में शायद "पॉलिटिकली करेक्ट" न लगें, मगर यही बात कहावतों का सार है। कहावतें हर ज़माने की ज़ुबान से, शालीनताओं से, पॉलिटिकल दुरुस्ती से छनकर आई ऐतिहासिक समझ हैं। समाज बदलो, कहावतें भी बदल जाएंगी।

आख़िर में यह कहना चाहता हूं कि इस किताब को कैसे पढ़ा जाए? यह मुख्यत: मौखिक चीज़ों का एक लिखित रिकार्ड है। इसका कोई 'सर्वोत्तम' तरीका नहीं हो सकता, पर बेहतर हो कि एक बार में एक कहावत पढ़ी जाए। इनको अकेले या समूहों में पढ़ा जा सकता है और दिन भर इनपर सोचा और चर्चा की जा सकती है। इनको सवेरे, दिन का काम शुरू होने के पहले पढ़ा जा सकता है, ताकि दिन भर में इसे समझा और अनुभवों से जोड़ा जा सके। या इनको सोने के पहले अंतिम काम के तौर पर पढ़ा जा सकता है ताकि इनके अर्थ हमारे सपनों के साथ या नींद में घटनेवाली दूसरी घटनाओं के साथ घुल-मिल सकें।

अफ्रीकी

ये कहावतें अफ्रीकी महाद्वीप से हैं जो धरती की भूमध्य रेखा पर स्थित सबसे पुरानी जमीन है। इसी ज़मीन पर ओल्डुवाई में मानवजाति का जन्म हुआ और वहां से यह शताब्दियों में दुनिया भर में फैली।

यहां धरती का सबसे बड़ा रेगिस्तान-सहारा, बर्फ़ से ढंकी किलीमंजारो की चोटियां, जीवनदायिनी बहुत लंबी नदी-नील, तथा जंतु-जगत की व्यापकतम दुनिया है जिसमें जिराफ़, ज़ेबरा और बोआ जैसे जानवर शामिल हैं। यहां सोने और हीरों के सबसे बड़े भंडार, और मानव भाषाओं का व्यापकतम क्षेत्र है जिसमें अरबी, बर्बर, स्वाहिली, हुतू, आदि शामिल हैं।

यह लंबी सफारियों, शेरों और बंदरों, बाओबाब पेड़ों की, फ़ारूनों, पिरामिडों एवं स्फिंक्स की; सांपों, ज़हरों और वूडू जादू तथा लड़ाकू विजेताओं की ज़मीन है। यह वह ज़मीन भी है जहां से सर्वाधिक लोगों को गुलाम बनाकर दूसरे महाद्वीपों में ले जाया गया और जहां बीसवीं शताब्दी की समाप्ति तक यूरोपियनों ने रंगभेद का व्यवहार किया। यह वह ज़मीन है जहां धरती के सबसे गरीब लोग और जैज़, ब्लूज़ और रेगे के सर्वाधिक ग़मग़ीन गीत हैं।

1. गांव का मुर्गा शहर में बांग नहीं देता।
2. अगर पास में कोई पेड़ न हो तो गैंडे को मत छेड़ो।
3. यह दुनिया एक कठोर जगह है, यह दुनिया।
4. शांत समुद्रों में कुशल तैराक नहीं बनते।
5. अगर कोई भीतरी दुश्मन नहीं तो बाहरी दुश्मन कुछ नहीं बिगाड़ सकते।

6. एक नज़दीकी दोस्त ही ख़तरनाक दुश्मन हो सकता है।
7. वहां मत देखो, जहां तुम गिरे, बल्कि वहां देखो जहां से फिसले।
8. मकड़ी के जाले एक होकर शेर को भी बांध सकते हैं।
9. अगर चूहा बिल्ली पर हंसे तो समझो उसका गड्ढा पास ही है।
10. चीते की नज़र बकरी पर और बकरी की घास पर।
11. चीते को पूंछ से मत पकड़ो और अगर पकड़ ही लिया तो छोड़ो मत।
12. उस घर में शाम मत गुज़ारो जहां तुम्हें रात न गुज़ारनी हो।
13. एक आदमी के लिए पचास नींबू बोझ, पर पचास के लिए खुशबू।
14. इज़्ज़त के बिना दावत बेकार।
15. सड़क के किनारे अंगूर की बेलें लगानेवाले और सुंदर महिला से शादी करनेवाले की समस्या एक जैसी।
16. दौड़ते समय बांधी पेटी, दौड़ते समय ही खुल जाएगी।
17. कुत्ते, बच्चे, बकरी या ज़ुकामवाले के साथ छिपनेवाला, छिप नहीं सकता।
18. हाथी का दुबला होना और अमीर का नुकसान दिखाई नहीं देता।
19. कारवां का सबसे आगेवाला ऊंट सबको रोकता है, पर पिटाई सबसे पीछे वाले की होती है।
20. मुर्दा शेर का बच्चा होने से ज़िंदा सियार का बच्चा होना ज़्यादा अच्छा।
21. जब चूहे की मौत आती है, वह बिल्ली की नाक सूंघने जाता है।
22. बहुत संकोची आदमी भूखा रहता है।
23. नाराज़ करो तो माफ़ी मांगो, नाराज़ हो तो माफ़ करो।
24. बीमारी छिपानेवाले के ठीक होने की उम्मीद नहीं।
25. जहां शर्म नहीं, वहां इज़्ज़त नहीं।

26. बेवकूफ़ लड़की अपनी मां को बच्चे पालना सिखाती है।
27. अच्छे की उम्मीद करो ताकि उसका मज़ा ले सको।
28. एक गाय ने आग को जन्म दिया, चाटना चाहा पर जल गई। छोड़ना चाहा पर यह भी कर न सकी क्योंकि वह उसका बच्चा था।
29. नील (नदी) को आराम कहां, यह लट्ठा लादे घूमा करती है।
30. बुढ़ापे में सन्यासी बन जाना आसान है।
31. दोस्त से चोट खाओ, अपनी पत्नी के पास जाओ।
32. बिना आवाज़ लगाये दरवाज़ा कौन खोलेगा?
33. छुट्टी छोड़ने से कोई अमीर नहीं होता, उपवास तोड़ने से कोई मोटा नहीं होता।
34. बहुत ख़ुशी होने पर दिल की बात मुंह से बाहर आ जाती है।

35. मछली के लिए बहुत गहरा खोदनेवाले को सांप मिलता है।
36. व्यापार में साझीदार उसमें बाधा नहीं डालता।
37. मेरे पाले कुत्ते ने मुझे काटा, मेरी जलाई आग ने मुझे जलाया।
38. बरसात के पहले ही, तुम ओस की तरह हो।
39. बिना बहाने बनाए, बूढ़ा लकड़बग्घा मुझे खा गया।
40. औरत बिना घर, मवेशी बिना बाड़ा।
41. बैठे रहना मतलब अपाहिज होना।
42. बैठे के लिए आसमान बहुत पास है।
43. लेन-देन करनेवाला अपना भला जानता है।
44. ख़ज़ाने की ख़ोज में उसने खोया अपना बटुआ।
45. अगर तुम ख़ुशी अपनी मर्ज़ी से ज़मीन तक झुकते हो, तो फिर अपने कुचले जाने पर आश्चर्य न करो।

46. धीरे-धीरे अंडा भी चलने लगता है।
47. एक होने पर मकड़ियां शेर को बांध सकती हैं।
48. ज़िंदगी तमाशा है।
49. आज मैं, कल तुम।
50. मैं मरा, वैसे जैसे सभी मरते हैं, पीछे बचा आदमी दरवाज़ा बंद करे यदि वो चाहे।
51. पैसे से समुद्र पर सड़क बन सकती है।
52. अच्छी गाय अपने ही देश में बिक जाती है।
53. एक बार शादी की अंगूठी पहन ली तो सारे नतीजे भुगतने होंगे।
54. आंख का इशारा न समझनेवाली औरत, घूंसे से भी नहीं समझेगी।
55. खूबसूरत औरत से शादी न करो, तुम्हें निगरानी करनी पड़ेगी।
56. औरत, शैतान को भी धोखा दे सकती है।
57. लंबी स्कर्ट पर धूल पड़ती है, छोटी स्कर्ट दिल चुराती है।
58. औरत की सात आत्माएं होती हैं।
59. औरत की ज़ुबान हड्डियां तोड़ देती है।
60. जालों से मुक्ति के लिए मकड़ी मारनी चाहिए।
61. एक गधे को हांकने से चार घोड़े हांकना बेहतर।
62. बेचनेवाले की एक नज़र, खरीदनेवाले की सैकड़ों।
63. जो पादता नहीं, ख़ामोशी से हवा छोड़ता है।
64. अगर भगवान वकील नहीं करेगा, शैतान उसकी ऐसी-तैसी कर देगा।
65. गधे के दुलत्ती झाड़ने पर अगर तुम भी दुलत्ती झाड़ते हो तो दोनों गधे हो।
66. बिना सलाह के मक्खी, लाश के साथ कब्र में जाती है।
67. हुक्म न माननेवाला मुर्गा, शोरबे में हुक्म मानता है।

68. मेंढक, दिन में बेमतलब नहीं कूदता।
69. एक बकरी दूसरी बकरी की पूंछ नहीं लगाती।
70. वह औरत जिसके बच्चे चुड़ैल खा गई है, उससे ज़्यादा जादू-टोने को कौन जानता है।
71. अगर गिरनेवाले सभी बीज उग आएं तब पेड़ों के नीचे किसी को रास्ता नहीं मिलेगा।
72. किसी से कपड़े मांगने से पहले, उसके कपड़ों को देखो।
73. जबतक शेरों के अपने इतिहासकार न हों, शिकार की कथाएं हमेशा शिकारियों को शूरवीर कहेंगी।
74. शैतान के साथ भोजन करते समय लंबे हत्थे वाले चम्मच का इस्तेमाल करो।
75. बरसात से चीते के धब्बे गीले होते हैं, मिटते नहीं।
76. अगर मगरमच्छ अपने ही अंडे खा लें तो वे मेंढ़क के गोश्त का क्या करेंगे।
77. आदमी, अपने भुनते अनाज से दूर नहीं जाता।
78. नदी पर सबसे जल्दी जानेवाले, सबसे साफ़ पानी पीते हैं।
79. गधा हमेशा दुलत्ती झाड़कर धन्यवाद कहता है।
80. दुबली बकरी भूनने के लिए कोई ज़्यादा लकड़ी नहीं बटोरता।
81. बहुत से जन्म, बहुत सी मौतें।
82. कुत्तों के बीच रहने पर बंदर क्यों नहीं भौंके?
83. हाथी की सूंड़ उसके लिये कभी भारी नहीं होती।
84. अगर चल सकते हो तो नाच सकते हो, अगर बात कर सकते हो तो गा सकते हो।
85. राजा को प्यार करना बुरा नहीं, पर जो राजा तुम्हें प्यार करे वह बेहतर।
86. वह बेवकूफ़ है जिसकी भेड़ें दोबारा भाग जाती हैं।

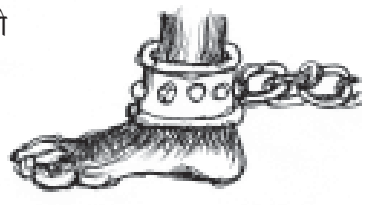

87. न छुए जाने पर पाम की पत्तियां नहीं सरसराती।
88. ढक्कन हमेशा बुरे हाल में; बर्तन को सारी मिठाई, ढक्कन को सिर्फ़ भाप।
89. उसकी राय नाव के अंदर पानी की तरह है, इधर से उधर डोलती हुई।
90. अपने मन से स्वीकार किए बिना किसी को आर्शीवाद नहीं मिलता।
91. अगर अपना दिमाग नहीं बेचोगे, कोई उसे नहीं खरीदेगा।
92. बुढ़ापे में तुम जहां बैठोगे, वह बताएगा कि जवानी में कहां खड़े थे।
93. चर्बी भूनने के बाद, हम देखते हैं बचा क्या।
94. दरवाज़ा बंद होने पर तुम्हें उसके नीचे से घुसना सीखना होगा।
95. अपने हाथ वहां तक फैलाओ, जहां तक फैल सकें, वह सब पकड़ो जो पकड़ सकते हो।
96. इस तरह काम करो ताकि ऐसा लगे कि असफल होना असंभव है।
97. देश की बर्बादी लोगों के घरों से शुरू होती है।
98. सच्ची शक्ति, सहयोग और मौन से आती है।
99. जलते घर के भीतर दो लोगों को बहस के लिए नहीं रुकना चाहिए।
100. एक झूठ हज़ार सच्चाइयों को बर्बाद कर देता है।
101. तुम्हें हाथी को एक-एक कौर करके खाना चाहिए।
102. अपने मेहमान को दो दिनों तक मेहमान समझो और तीसरे दिन कुदाल पकड़ा दो।
103. चाहे जितना तैरो, तुम मगरमच्छ नहीं हो सकते।
104. मां को रात में न सोने देनेवाला बच्चा भी जागता रहेगा।
105. एक हाथ दूसरे को धोता है।

106. ज़्यादा अक्ल समझदारी की दुश्मन।
107. बुरा आदमी (भारतीय), मगर व्यापार अच्छा।
108. झंडा भी हवा देखकर फ़हरता है।
109. बुरे आदमी की भी रूह में आदमियत होती है।
110. आग का इलाज आग से।
111. दस के करीब है नौ।
112. शहर में फैशनेबल चीज़ पर गांवों में कभी पाबंदी नहीं लगती।
113. अच्छी चीज़ अपने आप बिकती है, बुरी को विज्ञापन की ज़रूरत है।
114. मालिक की एक नज़र, नौकरों की चार।
115. खो जाना ही रास्ता सीखना है।
116. चीज़ें महज संयोग से नहीं होतीं।
117. बड़े घर बहुत कुछ छिपाते हैं।
118. कुदाल में मीनमेख निकालनेवाला असली किसान नहीं।
119. चावल सब एक जैसे, पकाने के तरीके अलग-अलग।
120. घर के भीतर नाचनेवाले को ईनाम कैसा।
121. शहद में उंगलियां डुबोनेवाला यह एक ही बार नहीं करता।
122. घर से निकाले को कहीं ठिकाना नहीं।
123. मैं कच्चा मकान हूं, झटके नहीं झेल सकता।
124. माल के साथ पकड़ा जानेवाला चोर।
125. बुढ़ापे में अंधा होनेवाला रास्ता नहीं भूलता।
126. यात्रा करनेवाला बादशाह भी गरीब होता है।
127. पहने कपड़ों के बारे में पूछा जाता है, खाए खाने के बारे में नहीं।
128. गुप्त संदेशवाहक को मतलब नहीं बताया जाता।

129. मां का पति, पिता।
130. देश को तबाह करता है, देश का नागरिक।
131. बच्चे को तरक्की के लिए बुद्धिमान के पास भेजो।
132. घाव के निशानवाला खुद को स्वस्थ नहीं मानता।
133. पीठ पर ढोया आदमी चिपक जाता है।
134. चालाक चिड़िया कमज़ोर पिंजरे में कैद नहीं रहती।
135. नकलची चिड़िया कहीं की नहीं होती।
136. आम रास्ते पर साइनबोर्डों की ज़रूरत नहीं।
137. जहां बहुत से पेड़ हों, वहां कोई बिल्डर नहीं।
138. बहुत से बुज़ुर्ग लोग होने पर कुछ गलत नहीं होता।
139. जहां बहुत से लोग हों, ईश्वर वहीं होगा।
140. सभी पंजे वाले शेर नहीं होते।
141. काने लोगों के बीच अपनी भी एक आंख बंद कर लो।
142. अगर तुम मधुमक्खियों का खाना जानते तो शहद न खाते।
143. सिर्फ़ एक तीर होने पर शिकारी लापरवाही से निशाना नहीं लगाता।
144. पूरी लंबाई की होने पर ही पेड़ की शाखा नई को बढ़ने देती है।
145. सिर्फ़ भागना काफ़ी नहीं, पहुंचना चाहिए और पहुंचकर जानना कि कहां पहुंचे।
146. देवता एक बार में केवल एक प्रार्थना सुनते हैं।
147. सिर्फ़ लोमड़ियां ही नहीं, घोंघे भी अपने मुकाम पर पहुंचते हैं।
148. अकेला रहनेवाला हमेशा या तो बहुत काम करता है, या बहुत खाता है।
149. हमारे जीवन की नींव आधार, विचार और सपने।
150. सलाह देने पर उसे मान लेनेवाला, अब भी अपने स्वतंत्र

विचारवाला है।

151. ईमानदार आदमी को देखकर पका फल टपकता है।

152. 'आओ लड़ें' कहनेवाला नहीं जानता, कौन जीतेगा।

153. तीरंदाज़, जाते तीर को जितना चाहता है, उतना ही हाथ में पकड़े धनुष को।

154. दूसरे आदमी के साथ खाना, उसके साथ स्थाई दोस्ती की कसम है।

155. सब चिड़ियों में होशियार उल्लू, क्योंकि वह जितना देखता है उतना ही कम बोलता है।

156. अगर सोने में जंग लग जाए तो लोहा क्या करेगा?

157. मानव मल की गोलियां बनाने वाले गुबरैले भी अमीरों से छिपते हैं, क्योंकि वे सब कुछ खरीद सकते हैं।

158. जवान होते ही मुर्गा, समय बताने के लिए बांग देने लगता है।

159. दुनिया चाहे जितनी बर्बाद हो जाए, नमक में कीड़े नहीं पड़ेंगे।

160. गांव के मुखिया बनने पर, हुकूमत करना सीखना नहीं पड़ता।

161. जल्दी से मिली जायदाद में ऐसी चीज़ें होती हैं कि देवता भी हिस्सा मांगने लगते हैं।

162. बेवकूफ़ का दिल उसकी ज़ुबान में होता है, बुद्धिमान का मुंह उसके दिल में।

163. तीन चीजों से दुख भागता है– पानी, हरे पेड़ और सुंदर चेहरा।

164. कुछ लोग दुख-दर्द से सीखेंगे, कुछ आनंद से हंसते हुए।

165. पैसेवाले कुत्ते को भी लोग कहेंगे, हे मेरे मालिक! हूज़ूर कुत्ते।

166. शहद छूनेवाला अपनी उंगलियां चाटने को मजबूर होगा।

167. बहुत अक्ल के साथ बहुत ग़म, बहुत समझदारी के साथ बहुत रोना।

168. अच्छा किस्सागो, सुननेवाले के कानों को आंखें बना देता है।

169. शैतान एक के दो बनाता है, साधू दो के एक।

170. बुद्धिमान औरत के पास कहने को बहुत कुछ होता है पर वह चुप रहती है।

171. शोरबे में जो भी होता है, चम्मच से बाहर आता है।

172. राजा अगर दोपहर को रात कह दे तो तारे थम जाते हैं।

173. आदमी को पगड़ी की सफ़ेदी से मत आंको, हो सकता है साबुन उधार का हो।

174. सर्वोत्तम लड़ाई अक्सर अपने खिलाफ़ होती है।

175. जिसके दांत नहीं होते, ख़ुदा उसे खाने को सूखे मटर देता है।

176. अरब की समझदारी उसकी आंखों में होती है।

177. दुनिया की सबसे आश्चर्यजनक चीज़, बेवकूफ़ की कामयाबी और अक्लमंद की नाकामयाबी।

178. भाग्यशाली आदमी को नील नदी में धकेलो, वह मुंह में मछली लिए निकलेगा।

179. ज़िंदगी एक अनवरत नशा है, मज़ा शीघ्र खत्म और बचा सिरदर्द।

180. कुत्ते भौंकते रहते हैं, कारवां चलता रहता है।

फ़ारसी

जिस कालीन पर अलीबाबा और जिन्न उड़ते थे वह दुनिया के सर्वोत्तम कालीनों की तरह फ़ारसी कालीन था। फ़ारस की ज़मीन जिसे आज ईरान कहा जाता है, प्राचीन समय से ही एक दुर्जेय राज्य था। और समय-समय पर यूनानियों, मिश्रियों, बेबीलोनवासियों, रोमनों, मंगोलों, अंग्रज़ों और अमेरिकनों को इसे स्वीकार करना पड़ा है।

फ़ारस ने मानवजाति को आड़ू, ईंट बनाना, शराब बनाना, विंडमिल (पवन चक्की), फ़ारसी पहिया, कालीनें, और चायघर की संस्कृति तथा शहरों में स्थाई बाज़ारों का विचार दिया है।

इस ज़मीन ने फ़िरदौसी, रूमी, सादी, हाफ़िज़, अत्तर, निज़ामी और ख़य्याम जैसे कवियों के साथ दुनिया की सबसे अच्छी कविता दी है। यह प्राचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, गुंबदों और टाइलों वाली वास्तु-शैली की ज़मीन है जिससे ताजमहल का जन्म हुआ। यह अग्निपूजकों, जरथुस्त्र, रुस्तम और सोहराब, तथा अयातुल्लाओं की ज़मीन है।

1. जो गुलाब चाहता है उसे कांटों की इज़्ज़त करनी चाहिए।
2. सबसे प्यारे चेहरे चांदनी रात में दिखते हैं, जब आधा आंखों से और आधा कल्पना से देखा जाता है।
3. सांप पकड़ने के लिए अपने दुश्मन का हाथ इस्तेमाल करो।
4. डूबते आदमी को बरसात की फ़िक्र नहीं होती।

5. बुद्धिमान आदमी कालीन के सूराख के ऊपर बैठता है।
6. दुनिया गुलाब है, सूंघो और दोस्त को सूंघने के लिए दो।
7. समय आने पर शिकार, शिकारी हो जाता है।
8. जब पानी पहाड़ के ऊपर चढ़ेगा, मेंढ़क भजन गाएगा।

9. आग में सूखा, गीला साथ जलता है।
10. ज़िंदा आदमी को ज़िंदगी चाहिए।
11. दान देने की कोशिश की, हाथ जल गए।
12. ज़्यादा अमीर, ज़्यादा ज़रूरतमंद।
13. दूर के नक्कारे, सुहानी आवाज़।
14. सच से झूठ तक, सिर्फ़ चार अंगुल फ़ासला।
15. घोड़ा तुर्क जैसा है, दोनों जगह से खाता है, रातिब और नांद।
16. अगर अफ़सोस एक भोंपू होता, उसकी आवाज़ आसमान तक पहुंचती।
17. अगर बच्चों की प्रार्थना में कोई असर होता तो दुनिया में एक भी मास्टर ज़िंदा न बचता।
18. अगर बादशाह बाज़ार न जाए, तो सब कुछ सड़ जाएगा।
19. घरेलू महिला होने की मुसीबत, एक सामान खरीदो, दो खत्म।
20. अच्छे अंगूरों पर लोमड़ी का कब्ज़ा।

21. तुमने इतना चरा, पर पूंछ की चर्बी कहां गई?
22. इतनी छोटी दाढ़ी लेकर तुम (तेहरान के) तजरिश जाना चाहते हो?
23. मुखिया के साथ दोस्ती रखो और गांव को लूटो।
24. पैरों के बल चले तो जूते घिसेंगे, सिर के बल चले तो पगड़ी।
25. खुदा, या खजूर।
26. सेब उछालने पर, गिरने के पहले हज़ार बार घूमता है।

27. एक बार पूरा पेट भरना, सौ बार आधा पेट भरने से बेहतर।
28. एक कौवा, चालीस कौवे।
29. फ़ौरन 'न' कहो, इसे अपने पेट में नौ महीने छिपाए मत रहो।
30. मीठी बोली और मेहरबानी से हाथी भी तागे से खींचा जाता है।
31. तमीज़दार आदमी, बदतमीज़ से भी तमीज़ सीखता है।
32. छोटी चीज़ें बेहतर तरीके से करो ताकि बड़ी चीज़ें खुद किए जाने के लिए सामने आएं।
33. चुटकुले वहां पहुंचते हैं, जहां वीरगाथाएं नहीं पहुंचतीं।
34. जाओ, अपनी किस्मत जगाओ।
35. जहां तक देखते हो वहां तक जाओ, वहां पहुंचने पर और आगे देखोगे।
36. जो सुकून चाहता है उसे आरामकुर्सी नहीं मिलती।
37. कोई चिराग़ सवेरे तक नहीं जलता।
38. एक सेर सीखने के लिए, दस सेर की अक्लमंदी चाहिए।
39. सबसे अच्छे दोस्तों को भी अलग होना पड़ता है।
40. सबसे अच्छे आदमी भी आख़िर आदमी ही है।
41. बिल्ली-चूहा राज़ी, दुकानदार की बर्बादी।

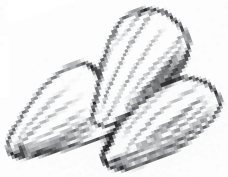

अफ़गानी

यह कहावतें उस ज़मीन से हैं जो बर्फ़ से ढके सबसे ऊंचे पहाड़ों, सबसे सुंदर घाटियों और स्वतंत्रता प्रेमी कबीलों की है जिनको प्राचीन काल से झुकाने की कोशिश फ़ारसियों, यूनानियों, अरबों, तुर्कों, मंगोलों, अंग्रेज़ों, रूसियों और अमेरिकनों ने की, पर उन्होंने आज तक उन सब को हरा दिया। विश्व शक्तियां आज भी अफ़गानिस्तान पर दख़लंदाज़ी का 'ग्रेट गेम' खेल रही हैं, जैसा उन्होंने हमेशा किया है।

अफ़गानिस्तान के लोगों के पास हेलमंड और काबुल नदियों के साथ कुनलुन और हिंदुकुश पर्वतमालाओं के बीच सबसे शानदार दृश्यावलियां हैं। काबुल घाटी को बाबर और हमारे काबुलीवाला दोनों ने समान रूप से प्यार किया। काबुल, कंधार, हेरात, गज़नी और कुंदुज़ गहरे ज्ञान और पुराकथाओं के प्राचीन शहर हैं, जहां प्राचीन समय से रेशम मार्ग से आने वाले व्यापार और विचार आपस में घुले-मिले।

बुज़कशी नामक पहला पोलो मानवजाति द्वारा यहां खेला गया। अफ़गानिस्तान ने हमें पिस्ता, अखरोट, किशमिश, ऊनी शाल, प्रचंड योद्धा और नाज़ुक कविता दी है।

1. उस गधे को मत पकड़ो, जो तुम्हारा नहीं है।
2. फूल की तरह खिलो, पर तुम्हारी ज़िंदगी लंबी हो।
3. दिल से दिल रास्ता बना लेता है।
4. कुत्ते के पानी पीने से नदी गंदी नहीं होती।
5. टेढ़ा रखा बोझ मंज़िल तक नहीं पहुंचता।
6. लोमड़ी अपनी ही खाल की वजह से

फंसती है।

7. सिर्फ़ एक रोटी और प्याज हो तो भी खुश रहो।
8. हर दुख मिट जाता है, भूख के सिवा।
9. किसी ज़ायकेदार खाने से जलती आग बेहतर।
10. दो तरबूज़ एक हाथ में नहीं आ सकते।
11. नमक गोश्त को सुरक्षित रखता है, पर खराब गोश्त को नहीं।
12. चाकू सोने का हो तो भी कोई अपने दिल पर वार नहीं करेगा।
13. नया नौकर भागते हिरन को भी पकड़ सकता है।
14. दीवारों में चूहे होते हैं और चूहों के कान।
15. टूटे हाथ से काम हो सकता है पर टूटे दिल से नहीं।

16. भाई-भाई के बीच हिसाब साफ़ रहना चाहिए।
17. मुफ़्त का सिरका शहद से भी मीठा।

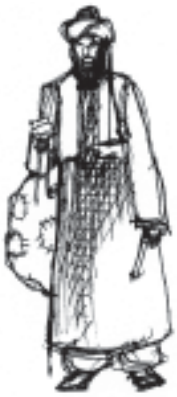

18. कुम्हार फूटे सकोरे से पानी पीता है।
19. ख़ून को ख़ून से नहीं धोया जा सकता।
20. चोरी नहीं की तो राजा से डर कैसा।
21. उसके कटोरे के नीचे एक और छोटा कटोरा।
22. झूठा, भुलक्कड़ होता है।
23. जिस गड्ढे में पानी भरता है, वहां फिर भरेगा।
24. खोजनेवाला पाता है।
25. बेवकूफ़ दोस्त से समझदार दुश्मन अच्छा।
26. जब तक दुनिया में बेवकूफ़ हैं, कोई गरीब नहीं रह सकता।
27. ईसाइयों को अपने मज़हब पर चलने दो और यहूदियों को उनके।
28. उससे डरो, जो ख़ुदा से नहीं डरता।
29. काबुल चाहे बिना सोने के हो, पर बिना बर्फ़ के न हो।

यहूदी

स्पिनोज़ा, फ्रायड, मार्क्स, आइंसटीन, लेवी-स्ट्रास, साल्क, ओपेनहाइमर, चॉमस्की··· यहूदी लोगों की ऐसी उल्लेखनीय सूची है। यहूवा की पूजा करने के कारण इनको यहूदी कहा जाता है। मूलतः जूडिया और कन्नान की घाटियों में जन्म लेने वाले यहूदी पहले किताबी हैं, जहां ईसाई और मुसलमान दूसरे तथा तीसरे हैं।

बहुत सी जातियों और बहुत सी भाषाओं वाले यहूदियों की प्राचीन समय से सफलता और शान ने उनको दूसरे लोगों की ईर्ष्या और घृणा का पात्र बना दिया है। अपनी बस्तियों से रोमनवासियों, फ़ारसवासियों, अरबों और यूरोपियनों द्वारा हमेशा भगाए जाने के कारण शताब्दियों तक यहूदी सभी देशों और सभी शहरों के शहरी समाज का हिस्सा बने रहे। सभी जगह वे व्यापारी, विद्वान, डॉक्टर, महाजन, वैज्ञानिक और संगीतकार रहे। एकसाथ परंपरावादी भी और खोजी भी रहे। परंपराओं से मज़बूत जुड़ाव होने के बावजूद खोजी और मौलिक, यहूदी संस्कृति दुनिया की गहरी और महान संस्कृतियों में एक है।

1. पहले पड़ोसी के बारे में पता करो, तब घर ख़रीदो।
2. ज़्यादा मीठे मत बनो नहीं तो निगल लिए जाओगे, ज़्यादा कड़वे मत बनो नहीं तो थूक दिए जाओगे।
3. उस कस्बे में मत रहो जहां कोई डॉक्टर न हो।
4. अगर मुस्कराना न जानते हो तो दुकान मत खोलो।
5. ईश्वर हर जगह नहीं हो सकता, इसलिए उसने मां बनाई।
6. आधा सच, पूरा झूठ।
7. डूबनेवाला, चम्मच भर पानी में भी डूब जाता है।

8. अगर ऊपर से नहीं जा सकते, नीचे से जाओ।
9. सपने सच करना चाहते हो, सोओ नहीं।
10. बड़ों से भिड़ने से पहले बराबरवालों के साथ बना के रखो।
11. उस आदमी पर विश्वास न करो जो तुम्हें अपनी सारी तकलीफ़ें बताता है पर खुशियां नहीं।
12. अमीर को चरित्र की ज़रूरत नहीं।
13. जो आंखों से न देखो, मुंह से मत कहो।
14. तुम्हारे दोस्त का भी एक दोस्त है, उससे मत कहो।
15. जिसे कभी चोरी का मौका नहीं मिला, वह ईमानदार नहीं।
16. आदमी को ज़िंदा रहना चाहिए, चाहे सिर्फ़ अपनी जिज्ञासा मिटाने के लिए।
17. बुद्धिमान आदमी एक शब्द सुनता और दो समझता है।
18. पाप दो बार करो, उसे अपराध नहीं माना जाएगा।
19. हर आदमी उसी आटे से बना है पर पका है अलग भट्टियों में।
20. जब तुम सुनाते हो, कितने आदमी सच्चाई सुनते हैं?
21. अगर सब एक तरफ़ खींचे, दुनिया उलट जाएगी।
22. अगर ईश्वर ज़मीन पर रहता, लोग उसके घर की खिड़कियां तोड़ देते।
23. अगर अमीर अपनी जगह मरने के लिए गरीबों को भाड़े पर ला सकते, गरीबों को बहुत अच्छा रोज़गार मिल जाता।
24. तुम कितना ऊंचे हो, समझने के लिए नीचे देखो।
25. सराय का मालिक शराबी को पसंद करता है, पर दामाद बनाने के लिए नहीं।
26. सूरज डूबेगा, बिना किसी की मदद के।
27. अमीर होना सब कुछ नहीं, पर इससे मदद ज़रूर मिलती है।
28. सच, सबसे सुरक्षित झूठ है।

29. पिता बेटे की मदद करता है, दोनों हंसते हैं; पर जब बेटा बाप की मदद करता है, दोनों रोते हैं।
30. जब दुश्मन गिरे, खुश न हो; पर उसे उठाने के लिए दौड़ो भी नहीं।
31. स्वास्थ्य पहले आता है; बाद में अपने गले में फंदा तुम कभी भी लगा सकते हो।
32. पड़ोसी के सेब सबसे मीठे।
33. सुंदर चीज़ वह नहीं जो सुंदर हो, बल्कि जो पसंद हो।
34. सोने की चाबी सभी ताले खोल देगी।
35. कुत्ते की पिटाई होने पर शेर भी डर जाता है।
36. कहावतें, सच्ची बातें है।
37. जब खुदा रोटी देता है, लोग मक्खन देते हैं।
38. आदमी विचार करता है और ईश्वर हंसता है।
39. साइनोगॉग के जितना पास, ईश्वर से उतना दूर।
40. बिल्ली को चाहे जैसे फेंको, वह अपने पंजों पर ही गिरती है।
41. शर्मिंदा होनेवाला, ज़िम्मेदारी महसूस करता है।
42. बुद्धिमान बच्चा ज़्यादा जिंदा नहीं रहता।
43. बेवकूफ़ देता है, बुद्धिमान लेता है।
44. गरीबी का फ़ायदा, रिश्तेदारों को तुम्हारी मौत से कुछ नहीं मिलता।
45. ईश्वर ने औरत आदमी के सिर से नहीं बनाई, कि वह उसे हुक्म दे सके; न उसके पैरों से कि, वह उसकी गुलाम बन सके; पर बग़ल से कि वह उसके दिल के पास रहे।
46. उससे प्यार करो जो तुम्हारी कमियां अकेले में बताता है।
47. बाड़े को, उसमें बंद चीज़ से ज़्यादा कीमती या महत्वपूर्ण मत बनाओ।
48. पूर्वाग्रहों पर बने विचार, हमेशा अधिकाधिक हिंसा से कायम रखे

जाते हैं।

49. लोग चिंता करते हैं, देवता मुस्कराते हैं।
50. विद्वानों का मुकाबला ज्ञान को आगे बढ़ाता है।
51. मौन, महिलाओं का बहुत अच्छा ज़ेवर है पर इसे बिरले ही पहना जाता है।
52. आरोपी बहुत अमीर हो तो अदालत बहुत दयालु होती है।
53. यहूदी के तीन निशान-कोमल दिल, आत्म-सम्मान और दान।
54. समय से पुराने ज़ख्म भर जाते हैं और नए बन जाते हैं।
55. जो तुमको चिढ़ाता है, तुमसे प्यार करता है।
56. परीकथाओं से सवाल मत पूछो।
57. आनंद को काम-काज मत बनाओ।
58. बर्र को मक्खन के डिब्बे से बाहर मत निकालो।
59. ईश्वर बोझ देता है और कंधे भी।
60. जो बेइज़्ज़ती सह लेता है, ख़तरा बुलाता है।
61. रेस्टोरेंट में वेटर के पास वाली मेज़ चुनो।
62. गर्व, अपनी गलतियों का मुखौटा है।
63. सचमुच केवल वे मरे हैं, जिनको भुला दिया गया है।
64. जब दो तलाकशुदा शादी करते हैं, बिस्तर में चार लोग आते हैं।
65. अगर जेब में पैसा हो; तुम बुद्धिमान हो, तुम आकर्षक हो और तुम बहुत अच्छा गाते भी हो।
66. तुम किसी को प्यार करने या उधार देने के लिए मजबूर नहीं कर सकते।
67. बच्चे के आंसू स्वर्ग को भी चीर देते हैं।
68. आदमी अपनी छाया पर नहीं कूद सकता।
79. आदमी तब तक बूढ़ा नहीं होता जब तक उसके अफ़सोस, सपनों की जगह न ले लें।

70. वह मेज़ पवित्र नहीं जिस पर किसी विद्वान ने खाना न खाया हो।
71. सभी संकेत गुमराह करते हैं।
72. दान और गर्व के मकसद अलग हैं, पर दोनों गरीबों को खाना खिलाते हैं।
73. ईश्वर ने यह दुनिया बनाई, छोटी-छोटी दुनियाओं से भरी।
74. ईश्वर ने आदमी बनाया क्योंकि वह कहानियों से प्यार करता है।
75. सोना धूल का बेटा है, फिर भी वह खुद को राजसी समझता है।
76. वह झूठा है, जो कविता को उसी तरह पेश करता है जैसी वह दिखाई देती है।
77. विरासत लेने के लिए आनेवाला दफ़न का ख़र्च देता है।
78. अगर हम ख़ुद अपनी तारीफ़ न करें, कोई और नहीं करेगा।
79. बहुत से लोग अपनी शक्ल की शिकायत करते हैं, पर दिमाग़ की कोई नहीं।
80. जल्दी सो जाओ, हमें तकियों की ज़रूरत है।
81. ज़्यादा बोलने पर, तुम अपने बारे में बोलोगे।
82. बोलना प्रकृति से आता है, मौन बुद्धिमानी से।
83. हर जवाब में, तुम खोज सकते हो नया सवाल।
84. सच कभी नहीं मरता, पर उसका जीवन कष्टदायक होता है।
85. अपने पैमाने से पूरी दुनिया नहीं नाप सकते।
86. खेल में जब किस्मत शामिल होती है, तब चालाकी से दुहरा फल मिलता है।

चीनी

किन लोगों ने चाय, एक्युपंक्चर, खत्ताती, नूडल्स, कुमकुमे और पतंग बनाने के साथ हमें कागज़, रेशम और बारूद बनाने की कला दी? चीन की दीवार कहां है?

ड्रैगनों, राजवंशों और 'प्रतिबंधित शहरों' वाला चीन, एक विशाल भूमि है जो प्राचीन काल से ही सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश रहा है। ऐतिहासिक रूप से यह लड़ाकू राज्यों और अनुशासित सार्वजनिक प्रशासन वाला देश है। शाही सेवाओं में भर्ती होने के लिए दुनिया की पहली सार्वजनिक परीक्षा चीन में शुरू हुई थी। चीन ने बारूद बनाई पर बंदूके नहीं, वे आतिशबाजी बनाते थे और कन्फ्यूशियस तथा लाओत्से पढ़ते थे।

गरीबों और किसानों वाले विशाल चीनी समाज की संस्कृति में पीड़ा और विनम्रता के गहरे रंग हैं, वहीं आलोचनात्मक विश्लेषण और विद्रोह के भी। प्राचीन समय की तरह आज भी चीन लोगों के लिए आश्चर्य और पहेली जैसा है।

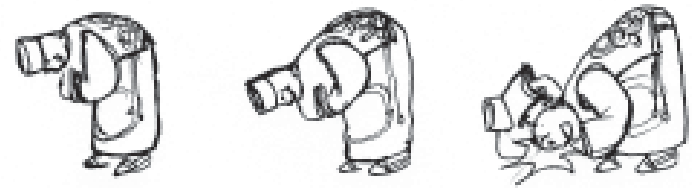

1. यदि तुम झुकते ही हो, ज़्यादा झुको।
2. चिड़िया केवल एक डाली पर ही बोल सकती है, चूहा नदी से केवल पेट भर पानी ही पी सकता है।
3. ज़्यादा समृद्धि किस्मत पर निर्भर है, छोटी मेहनत पर।
4. हज़ार मील की यात्रा पहले कदम से शुरू होती है।

5. मूर्ति बनानेवाला कभी मूर्ति-पूजक नहीं होता।
6. बुद्धिमान आदमी अपना फ़ैसला ख़ुद करता है, अज्ञानी जनता की राय पर चलता है।
7. सभी तुम्हारे रिश्तेदार हैं, इसलिए उनसे हमेशा मुसीबतों की उम्मीद करो।
8. दुनिया सुधारने की तैयारी से पहले अपने घर को तीन बार देखो।
9. हर काबिल आदमी के पीछे, हमेशा दूसरे काबिल आदमी होते हैं।
10. बेदाग़ कंकड़ से दाग़दार हीरा बेहतर।
11. डालें और पत्तियां न होने पर खुद को दोषी समझो, सूरज पर पक्षपात का दोष न लगाओ।
12. निचली ज़मीनें देखने के लिए पहाड़ पर चढ़ो।
13. गहरे सवाल, गहरी बुद्धि; हल्के सवाल, हल्की बुद्धि।
14. सुंदर नौकर मत रखो।
15. पश्चिमी दीवार की मरम्मत के लिए पूर्वी दीवार मत गिराओ।
16. दोस्त के माथे से मक्खी उड़ाने के लिए कुल्हाड़ी मत इस्तेमाल करो।
17. अगर मुस्कराना पसंद न हो तो दुकान मत खोलो।
18. गिरती दीवार को सभी धक्का देते हैं।
19. भूतकाल का सब कुछ कल मर गया, भविष्य का सब कुछ आज पैदा हुआ है।
20. अनुभव वह कंघी है जिसे प्रकृति मनुष्य को तब देती है जब वह गंजा हो जाता है।
21. मुझे एक बार बेवकूफ़ बनाया, तुम शर्म करो; दोबारा बेवकूफ़ बनाया, मेरे लिये शर्मनाक।
22. आदतें पहले मकड़ी के जाले, बाद में रस्सियां।
23. पूछनेवाला पांच मिनट के लिए बेवकूफ़, न पूछने वाला ज़िंदगी भर के लिए।

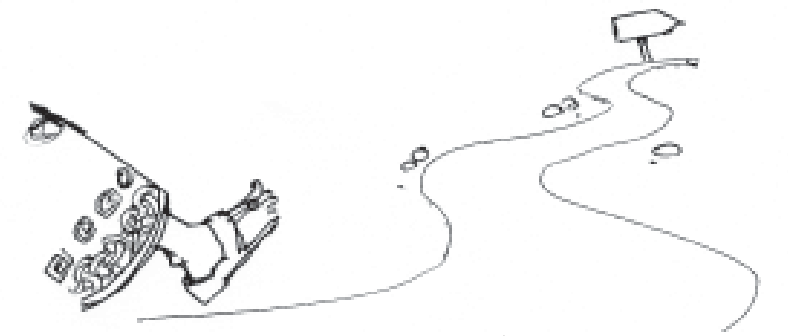

24. सपने में हज़ारों नए रास्ते देखे। जागा और पुराने रास्ते पर चल पड़ा।
25. अगर स्वर्ग ने उसे बनाया है, ज़मीन उसका कोई इस्तेमाल ढूंढ लेगी।
26. अगर हम अपनी दिशा न बदलें, शायद अपनी मंज़िल पर पहुंच जाएं।
27. एक साल की योजना हो, अनाज उगाएं। दस साल की योजना हो, पेड़ लगाएं। सौ साल की योजना हो तो आदमी बनाएं।
28. अगर गरीब हो और व्यस्त बाजार में रहते हो, कोई ध्यान नहीं देगा। अगर अमीर हो तो चाहे ऊंचे पहाड़ों पर रहते हो, दूर-दूर के लोग तुम्हारे रिश्तेदार होंगे।
29. सीधे खड़े हो तो अपनी टेढ़ी छाया से मत डरो।
30. शक हो तो नौकरी न दो, नौकरी दे दो तो शक मत करो।
31. एक घंटे के लिए ख़ुशी चाहते हो, झपकी लो; एक दिन के लिए ख़ुशी चाहते हो, मछली पकड़ो; एक महीने के लिए ख़ुशी चाहते हो, शादी कर लो; एक साल के लिए ख़ुशी चाहते हो, ख़ज़ाना तलाशो और ज़िंदगी भर के लिए ख़ुशी चाहते हो, तो किसी की मदद करो।
32. आगे जानेवाली सड़क के बारे में जानना चाहते हो तो वापस लौटनेवालों से पूछो।
33. अपना भूतकाल जानना चाहते हो, वर्तमान हालत देखो; भविष्य जानना चाहते हो, अपने वर्तमान कार्य देखो।

34. अपने बच्चों का शांतिपूर्ण जीवन चाहते हो, उन्हें थोड़ी भूख और थोड़ी ठंड सहने दो।
35. टूटे घोंसले में शायद ही कोई समूचे अंडे।
36. बहुत ख़ुश होने पर किसी से वादा न करो, बहुत गुस्सा होने पर किसी को जवाब न दो।
37. उसी काम को उसी तरह करके अलग नतीजे की उम्मीद, पागलपन है।
38. अंधेरे को कोसने से बेहतर, एक मोमबत्ती जलाओ।
39. अंधेरे कमरे में काली बिल्ली पकड़ना मुश्किल है, खासकर अगर बिल्ली वहां न हो।
40. दोस्तों के साथ रहने से अच्छा, दोस्तों से मिलना।
41. दुकान खोलना आसान, खोले रखना मुश्किल।
42. जितना सोच रखा है, उससे ज़्यादा समय बीत चुका है।
43. दोस्ती करने में साल भर लगता है, पर ख़त्म करने में एक घंटा।
44. जेलें हमेशा बंद रहती हैं मगर भरी रहती हैं, मंदिर हमेशा खुले रहते हैं पर खाली रहते हैं।
45. विद्या, हमेशा मालिक के पीछे-पीछे चलने वाला ख़जाना।
46. सीखना, हमेशा धारा के खिलाफ़ नाव खेना; आगे न बढ़ने का मतलब पीछे हटना।
47. ज़िंदगी, सपने में चलना है; मौत, घर जाना है।
48. ठीक से सुनना, ठीक से बोलने की तरह महत्वपूर्ण और दोनों सच्चे संवाद के लिए ज़रूरी।
49. नज़दीकवालों को ख़ुश रखो, दूर वाले खुद आएंगे।
50. पुरुष परिवार का सिर, औरत उसे घुमाने वाली गर्दन।
51. सांप भले हाथी निगल जाए, पर आदमी का दिल कभी संतुष्ट नहीं हो सकता।
52. बदकिस्मती सब पर आती है।

53. खड़े होकर वह न करो जिसे बैठ कर कर सकते हो, बैठ कर वह न करो जो लेट कर हो सकता है।

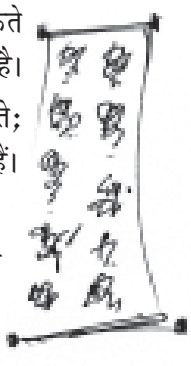

54. पहाड़ चाहे जितने ऊंचे हो, सूरज नहीं ढक सकते; दृढ़ता और दुर्भाग्य हमेशा एक-दूसरे के दुश्मन हैं।
55. सभी छत्तीस उपायों में, भागना सबसे बेहतर।
56. एक कुत्ता किसी पर भौंकता है, बाकी सब उस पर।
57. एक ख़ुशी, दूर करे सैकड़ों गम।
58. स्वर्ग में एक और देवता से बेहतर ज़मीन पर एक और अच्छा आदमी।
59. बेइज़्ज़ती हज़म करनेवाला ही सच्चा आदमी।
60. धैर्य कड़वा पौधा, पर उसका फल मीठा।
61. एक घंटे का मज़ा, एक बोतल शराब; एक साल का मज़ा, शादी; और ज़िंदगी भर का मज़ा; एक बाग़।
62. पका फल अपने आप गिरता है, पर तुम्हारे मुंह में नहीं।
63. एक समस्या हल करो, सौ दूर रहेंगी।
64. ज़्यादा बोओ, ज़्यादा काटो; कम बोओ, कम काटो।
65. रास्ते की सारी गलतियां मिटाए, अंत में सफलता।
66. शिक्षक दरवाज़ा खोलते हैं, पर जाना तुम्हें खुद होगा।
67. बुद्धि की शुरुआत, चीज़ों को सही नाम से पुकारना।
68. शराबख़ोरी का इलाज, खुद सामान्य होने पर किसी शराबी को देखना।
69. पेड़ लगाने का सबसे अच्छा समय बीस साल पहले था, दूसरा सबसे अच्छा समय आज है।
70. दुश्मन के लिए पैदा की गई आग, अक्सर खुद को ज़्यादा जलाती है।
71. बड़ा सवाल यह नहीं कि क्या तुम असफल हुए,

बल्कि क्या तुम असफलता से संतुष्ट हो।

72. पहचान जितनी ज़्यादा, जानना उतना कम।
73. सबसे हल्की स्याही, सबसे तगड़ी याद से ज़्यादा देर तक चलती है।
74. मुफ़्त नाटक देखते लोग, हमेशा अगली कुर्सियों पर और हमेशा मीनमेख निकालनेवाले।
75. अच्छी बातें करने वाले लोग ही सबसे मज़ेदार चाज़ बतानवाल नहीं होते।
76. कभी ठगा न जाने वाला, अच्छा व्यापारी नहीं।
77. खुद अपना मालिक, दूसरे मालिक को बर्दाश्त नहीं कर सकता; पूरी तरह किसी किताब पर यकीन करने से, बिना किताब बेहतर।
78. यह नहीं हो सकता, कहने वाला; ऐसा करनेवाले के काम में दख़लंदाज़ी न करे।
79. आंख जो देखती नहीं, ज़बान उसे भी बता सकती है।
80. अपनी सही उम्र बतानेवाली, या तो इतनी छोटी है कि उसके पास खोने को कुछ नहीं, या इतनी बूढ़ी है कि पाने के लिए कुछ नहीं।
81. दो प्रकार के लोग बेदाग होते हैं, जो मर गए और जो पैदा नहीं हुए।
82. अनिश्चित होना बेचैन होना है, पर निश्चित होना, हास्यास्पद।
83. किसी को जानना; उसका चेहरा नहीं, दिल पहचानना।
84. अपने मां-बाप को पहचानने के लिए, तुम्हें खुद बच्चे पालने होंगे।
85. दो अच्छा बोलनेवाले, एक अच्छा सुननेवाले के बराबर नहीं।
86. जब आदमी भविष्य की बात करते हैं, देवता हंसते हैं।
87. शराब से नशा नहीं होता, आदमी खुद को नशा देता है।

88. खुशी से, दिल में बुद्धि आती है।

89. समझने के लिए कोशिश बंद होने पर, बिना समझे भी ज्ञान होता है।

90. ग़म की चिड़ियों को सिर पर उड़ने से नहीं रोक सकते, मगर बालों में घोंसला बनाने से तो रोक सकते हो।

91. अपने दिल में एक हरा पौधा रखो, शायद कोई गाती हुई चिड़िया आए।

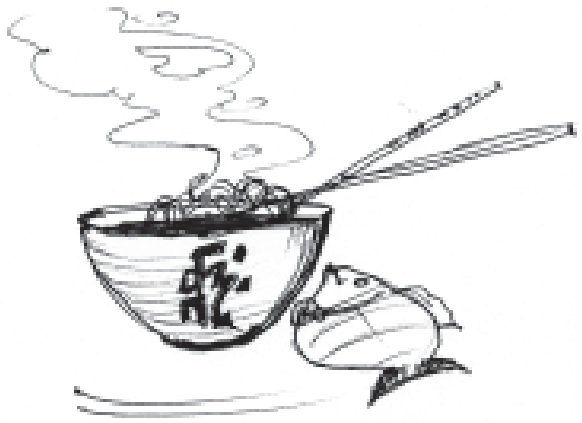

यूनानी

यूनान टापू के लोगों ने, इलियड के देवताओं और ओडिसी के धुमक्कड़ों एवं विजेताओं में मानवजाति को ओलंपिक खेल और एथलेटिक्स, मैराथन दौड़, लोकतंत्र का विचार, यथार्थवादी वास्तुकला, महाकाव्यात्मक कविता, मंचित नाटक और स्टेडियम दिए। उन्होंने सिकंदर महान, स्पार्टकस, एटलस, हेराक्लीज आदि हीरो दिए।

यूरोप, एशिया और अफ्रीका के मिलन बिंदु पर स्थित यूनान, प्राचीन काल से ही इन तीनों महाद्वीपों के समाज का प्रवेशद्वार रहा है और लोग, व्यापार, विचार और युद्ध इससे होकर गुजरे हैं। पश्चिमी संस्कृति और सभ्यता काफ़ी हद तक अफ्रीका तथा एशिया की और पुरानी सभ्यताओं के संपर्क में लाने के लिए यूनान की ऋणी है।

पाइथागोरस, डेमोक्रिटस, सुकरात, प्लेटो, अरस्तू, होमर, पिंडार, सोफोक्लीज़, एस्किलस, यूरीपिदज़ आदि प्राचीन यूनान के कुछ महान नाम हैं।

1. जानने योग्य सभी अच्छी चीज़ें, सीखने में मुश्किल होती हैं।
2. शुरूआत, यानी किसी काम का आधा होना।
3. रिश्तेदारों के साथ खाओ-पियो, काम-काज अजनबियों के साथ करो।
4. पहले स्वतंत्र आमदनी सुनिश्चित करो, तब सद्‌गुणों का व्यवहार करो।
5. कांटे से गुलाब निकलता है, गुलाब से कांटा।

6. ज़्यादातर लोग ख़ुशामद करना जानते हैं, तारीफ़ करना कुछ ही लोग।
7. चील को उड़ना सिखाने की ज़रूरत नहीं।
8. दुश्मनों पर ग़ौर करो क्योंकि तुम्हारी कमियां सबसे पहले वही पाएंगे।
9. राजदूत को धोखा देने के लिए सच बोलो, उसे इसका कोई अनुभव नहीं होता।
10. जहां समुद्र होता है, वहीं समुद्री डाकू।
11. चूहेदानी में पनीर लगाते समय हमेशा चूहे के लिए जगह छोड़ो।
12. आश्चर्य, समझदारी की शुरुआत।
13. कच्ची लकड़ी, ज़्यादा तेज़ आग।
14. उपहार, चाहे जितना छोटा हो हमेशा स्वागत योग्य।
15. कुछ पाने के पहले, लक्ष्य होना चाहिए।
16. अच्छा हिसाब, बनाता है अच्छे दोस्त।
17. सफ़ेद बाल; उम्र की निशानी, अक्ल की नहीं।
18. अपने आप से कुछ गुप्त मत रखो।
19. लोग कभी अच्छा करने के गंवाए मौकों पर अफ़सोस नहीं करते, सिर्फ़ बुरा करने के मौकों पर करते हैं।
20. बुढ़ापा और गरीबी, न ठीक होने वाले जख़्म।
21. बूढ़े दोबारा बच्चे बन जाते हैं।
22. जल्दी आंसू बहानेवाले लोग अच्छे होते हैं।
23. एक गवाह, एक झूठा; ज़्यादा गवाह, सब झूठे।
24. सफलता, जो तुम करना पसंद करो और जिससे रोज़ी भी मिले।
25. ताकतवरों की कमज़ोरियां भयानक।
26. मौसम के हिसाब से बाग़ी होना, बग़ावत नहीं।
27. अनजान की कल्पना, हमेशा कल्पना रहती है।

लैटिन

रोम के भीतर और आसपास बोली जाने वाली भाषा से शुरू होकर लैटिन रोमन साम्राज्य की भाषा बनी, जो मानवजाति का पहला ग्लोबल साम्राज्य था। अनेक देशों, जातियों और धर्मों द्वारा बोले और प्रयोग किए जाने के कारण यह एक शास्त्रीय भाषा है। लैटिन, सीज़रों, रोमन कानून, सेना, कैथोलिक चर्च, विद्वता और दर्शन की भाषा है। हाल तक यूरोप के हर स्कूली बच्चे को लैटिन सीखना और उसमें महारत हासिल करना अनिवार्य था। शेक्सपियर और चर्चिल को भी यह करना पड़ा था। स्कूल के दिनों में बुरी लगने के बावजूद, लैटिन अधिकांश यूरोपीय बुद्धिजीवियों की सर्वाधिक प्रिय भाषा थी। विशाल साम्राज्य की आधिकारिक भाषा होने के कारण लैटिन साहित्य में एक शास्त्रीय भाषा के अनुरूप वैश्विकता और सटीकता रही है।

प्लाउटस, टेरेंस, ल्यूक्रीटियस, वर्जिल, होरेस, सिसेरो, लिवी, पेट्रोनिकस, प्लाइनी, सेनेका, ओविड, टैसिटस, कुछ महान लैटिन लेखक रहे हैं।

1. ख़ामोश कुत्ते और ठहरे पानी से होशियार रहो।
2. सीखने से तुम पढ़ाओगे, पढ़ाने से तुम सीखोगे।
3. मर्ज़ से ज़्यादा डॉक्टर से डरो।
4. सुनहरी कंटिया वाला ज़्यादा मछलियां पकड़ता है।
5. हर दिन तुम्हें चोट पहुंचाता है और आख़िर में मौत।
6. आंसू से जल्दी कुछ नहीं सूखता।
7. जो हम जानते हैं, कभी-कभी उसे भूलना बेहतर।

8. कुत्तों के साथ सोनेवाला, पिस्सुओं के साथ जागेगा।
9. अपने स्पष्टतम अधिकार न मांगनेवाला, उन्हें खो देगा।
10. खुश रहनेवाला बिरले ही पागल होता है।
11. बनते किले की दीवार पर आखिरी काम चूहा करेगा।
12. सामने गहरी खाई और पीछे भेड़िए, ऐसी है ज़िंदगी।
13. अमीर को घर पर रहना चाहिए।
14. अमीर या तो बदमाश होता है, या बदमाश का वारिस।
15. उठता ज्वार, सभी नावें उठा देता है।
16. एक छोटी सी योग्यता सबसे अच्छी।
17. सर्जन अपने प्रयोग लावारिसों के जिस्म पर करता है।
18. शाखाओं को साधा जा सकता है, तने को नहीं।
19. बहादुर लोग आगमेमनन (प्राचीन यूनानी योद्धा) के पहले भी थे।
20. रिश्वतें बिना खटखटाए अंदर आती हैं।
21. धैर्य से यूनानी ट्राय तक पहुंचे।
22. पुरानी बेइज़्ज़ती बर्दाश्त करना, नई को न्यौता देना।
23. बदनामी कस कर करो, कुछ तो चिपकेगा।
24. कार्थेज (सबसे बड़े दुश्मन) को नष्ट किया जाना चाहिए।
25. हमने जो कहना था, उसमें पूर्वानुमान लगाने वालों को झुठला दो।
26. आख़िर में आनेवालों के लिए, हड्डियां।
27. किस्मत, एक के लिए मां और दूसरे के लिए सौतेली मां।
28. बेतरतीब कथनों में धोखे छिपे रहते हैं।
29. दोस्त, दुश्मन बन जाते हैं और दोस्त हो जाते हैं।
30. उसकी बातों पर कान दो, जिसके चार कान हों।
31. खुदा मांस भेजता है, पर शैतान बावर्ची।
32. जो ज्ञान बढ़ाता है, दुख बढ़ाता है।
33. वह बूढ़ा होने से पहले मर जाएगा, जो जवानी में बुद्धिमान होगा।

34. हर्कुलिस भी दो हमलावरों से नहीं लड़ सकता।
35. घर, घर है; भले ही यह घर जैसा आरामदायक न हो।
36. घर, घर है; अदालत में पहुंचने पर शैतान ने कहा।
37. कितना बजा है, पूछने से कभी देर नहीं होती।
38. बुढ़िया को नाराज़ करने से कुत्ते को नाराज़ करना ज़्यादा सुरक्षित है।
39. कला की उत्कृष्टता तब, जब कलाकार की कोई झलक न दिखाई दे।
40. मिट्टी नहीं, मौसम उगाता है फसल।
41. इससे ज़्यादा फ़र्क नहीं पड़ता कि हम परिस्थितियों के गुलाम हैं या एक आदमी के।
42. ऐसा कुछ नहीं कहा जा सकता जो पहले कहा न गया हो।
43. पैसे के ख़िलाफ़ कुछ नहीं टिकता।
44. मैं सच कहूंगा, पर कुछ लोग कहेंगे कि मैं कहानी सुना रहा हूं।
45. गरीब को अपनी ज़बान पर काबू रखना चाहिए।
46. सबसे अच्छी चीज़ें, पहले ख़त्म हो जाती हैं।
47. पूर्वानुमान होने पर, झटका हल्के से लगता है।
48. सबसे उत्तम चीज़ें ही भ्रष्ट होकर सबसे ख़राब हो जाती हैं।
49. मुर्दे, सबसे अच्छे सलाहकार।
50. न्याय पाने के लिए, हमें मांगना चाहिए अन्याय।
51. तुम उल्लुओं (विद्धान) को एथेंस (विद्धानों का गढ़) ले जा रहे हो।
52. बिना समर्थन के कला, बिना हवा के पवनचक्की है।

अरबी

ये कहावतें अरब की ज़मीन से हैं। तपती धूप में बालू के असंख्य टीलों वाले विशाल रेगिस्तान को पार करते, तमाम चीज़ों से लदे ऊंटों के कारवां; शहरों, किलों और समुद्री जहाज़ों की मृगतृष्णा बिदाउनी कबीलेवालों को तब तक धोखा देती है जबतक वे खजूर के पेड़ों से भरे नख़लिस्तानों में नहीं पहुंच जाते, जहां बहुत से व्यापारी-कारवां कारवांसरायों के पट्टीदार टेंटों के नीचे आराम करते हैं। शेखों के अरब साम्राज्यों, नकाब पहने सुंदरियों, महलों और किलों के षडयंत्रों व प्रेम प्रपंचों और जहाजी सिंदबाद, अरेबियन नाइट्स की राजकुमारी शहरज़ादी आदि हमेशा मानवजाति को चकाचौंध करते रहे हैं। अरब मध्ययुगीन यूरोप को सभ्य बनानेवाले तथा प्राचीन एशिया, अफ्रीका और यूरोपीय सभ्यताओं के असली 'मिश्रण बिंदु' रहे हैं।

1. बहुत अधिक धूप से रेगिस्तान बनता है।
2. शेर के नेतृत्ववाली भेड़ों की सेना, भेड़ के नेतृत्ववाली शेरों की सेना को हरा देगी।
3. विद्वान के बजाय अनुभवी से पूछो।
4. अपने दुबले होने पर मत घबराओ, ताकत इच्छा की मात्रा के अनुसार होती है।
5. दुश्मन का दुश्मन, मेरा दोस्त।
6. जाओ, अपनी किस्मत को जगाओ।
7. देवता, मेहनत के बदले ज्ञान और खतरे के बदले इज़्ज़त देते हैं।
8. सेहत है तो उम्मीद है, उम्मीद है तो सब कुछ है।

9. भाइयों की तरह साथ रहो, अजनबियों की तरह धंधा करो।
10. कभी भीड़ में सलाह न दो।
11. पाप, पश्चाताप का सबसे अच्छा हिस्सा।
12. सुंदर लड़की की कानाफूसी, शेर की गर्जना से भी ज़्यादा दूर तक सुनाई देती है।
13. अच्छा हो कि बांया कान दाहिनी जेब में पहुंच जाए।
14. रुलानेवाले की सलाह लो, हंसानेवाले की नहीं।
15. अल्लाह में यकीन करो, पर अपना ऊंट बांधकर रखो।
16. हर देर के अपने फ़ायदे।
17. अंदर आने से पहले बाहर जाने की सोचो।
18. दिमाग़ देखने के लिए, दिल सुनने के लिए।
19. आज आग है, कल सिर्फ़ राख होगी।
20. सपना देखो तो चांद का, चोरी करो तो ऊंट की।
21. छड़ी को कपड़ा पहना दो, गुड़िया बन जाएगी।
22. जिसने तुम्हें बेइज़्ज़ती के बारे में बताया उसने बेइज़्ज़ती की।
23. आदमी पर विश्वास, चलनी में पानी पर विश्वास।
24. निशाने पर न लगनेवाली गोली, शोर करती है।
25. उधार लेना बुरा, पर अदा करना घाटा।
26. दूर जाओ, तुम्हें प्यार किया जाएगा।
27. अभागे, अभागे रहेंगे, चाहे वे अपने सिर पर लालटेन टांग लें।
28. ज़ोर से बोलो नहीं तो दूसरों के तर्क तुम्हें हरा देंगे।
29. जो व्यस्त नहीं, वो जज की तरह है।
30. अपनी मां से शादी करनेवाले को, मैं चाचा कहूंगा।
31. जब भेड़िया भेड़ के लिए आता है, कुत्ता टट्टी करने चला जाता है।
32. अगर संदेशवाहक ने देर लगाई, अच्छे की उम्मीद करो।

33. यात्रा से वापस आने पर परिवार को कुछ दो, चाहे पत्थर ही हो।
34. भाषणबाज मुर्गा, अंडे से ही बांग देता है।
35. अनुभवी से पूछो, चिकित्सक से नहीं।
36. ख़ुदा, बिना दांतवालों के लिए बादाम भेजता है।
37. हर गांठ के पास, कोई खोलने के लिए है।
38. जेब का पैसा खर्च कर डालो, अनजाने से और मिलेगा।
39. तरबूज़ों को एक-दूसरे को तोड़ने दो।
40. पैसे के लिए बंदर से शादी की; पैसा खत्म हो गया और बंदर बंदर ही रहा।
41. शेर दूर होते हैं तो लकड़बग्घे खेलते हैं।
42. जब हमने कफ़नों की दुकान खोली, लोगों ने मरना बंद कर दिया।
43. आदमी में यकीन, छलनी में पानी बने रहने जैसा यकीन।
44. गिरगिट एक पेड़ नहीं छोड़ता जब तक दूसरे पेड़ का यकीन न हो।
45. बदलाव इतना अच्छा है जितना आराम।
46. दोस्त, अपने हित में सलाह देता है; तुम्हारे नहीं।
47. जानी-पहचानी गलती, अनजाने सत्य से बेहतर।
48. हंसमुख आदत; जीवन की रस्सी पर चलते समय हाथ में संतुलन रखनेवाला बांस।
49. अपनी जेब से पूछो कि क्या खरीदना चाहिए।
50. संकरे रास्ते पर, कोई भाई या दोस्त नहीं।
51. किसी को मालिक कहा और उसने तुम्हें गुलामों के बाज़ार में बेचा।
52. चांद या ख़बर मत ख़रीदो, आख़िर में दोनों बाहर आ जाएंगे।
53. अपनी पसंद का खाओ मगर पहनो दूसरों की पसंद का।

54. हर सूरज को डूबना है।
55. हर महत्वाकांक्षी कैदी है और हर लालची दरिद्र।
56. किसी को थोड़ा कपड़ा दो, वह थोड़ा अस्तर मांगेगा।
57. पड़ोसी की खिड़की में झांकना, आंखें गंवाने का ख़तरा।
58. अगर गरीब आदमी ने कुछ गड़बड़ खा लिया, लोग कहेंगे बेवकूफ़ी से।
59. बहुत सी सड़कें दिल तक नहीं पहुंचती।
60. भीड़ ने कभी धैर्य के फाटक पर इंतज़ार नहीं किया।
61. तुमसे उम्र में बड़ा एक दिन, बुद्धि में एक साल।
62. सिर्फ़ अपने हाथ से गाड़ा तंबू ही खड़ा रहेगा।
63. कहावतें, बोली का प्रकाश हैं।
64. गधा, सींग मांगने गया; कान भी गंवा आया।
65. जवाब, बेवकूफ़ की ज़बान पर रहते हैं।
66. दब्बूपन का फल; न फ़ायदा, न नुकसान।
67. ईश्वर का हाथ, समूह के साथ।
68. भाइयों का गुस्सा, भयानक और दानवीय।
69. जवानी में सीखा, जैसे पत्थर पर खुदा।
70. जब तुम्हारा चाहा न हो, वह चाहो जो हो।
71. जो तुम्हारे साथ न चले, तुम उसके साथ चलो।

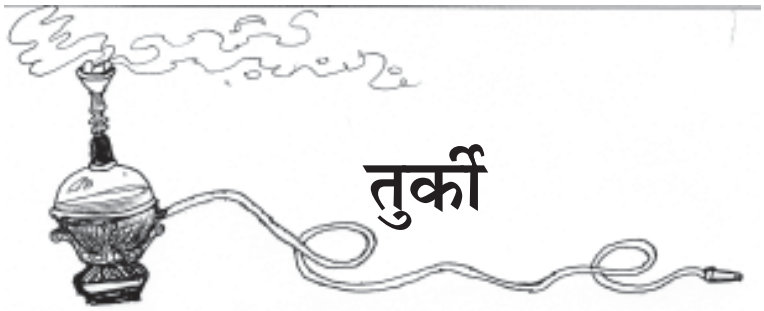

तुर्की

ये कहावतें, हर तरह से यूरोप और एशिया के बीचवाले उस स्थान से हैं जिसने ऑटोमन साम्राज्य को मध्यकालीन यूरोप को बाद में आनेवाले यूरोपीय पुनर्जागरण के बीज उगाने के लिए ज़मीन दी। इस देश और इसके लोगों ने बहुत सी चीज़ें दी हैं जैसे टर्किश तौलिए, फेज़ कैप, स्टीम बाथ, लंबी निगाली वाले हुक्के, कबाब, हलवा, टमाटर, तंबाकू, ख़तरनाक घुड़सवार सिपाही, सूफ़ी नर्तक-दरवेश, विश्व-मानववाद और कमाल अतातुर्क पाशा।

1. हज़ार बार नापो और एक बार काटो।
2. आदमी भाग्य नहीं तलाशता, भाग्य अपना आदमी तलाशता है।
3. अंग्रेज़, पिस्सू पकड़ने के लिए अपना बिस्तर फूंक देगा।
4. कॉफ़ी-काली जैसे नर्क, तगड़ी जैसे मौत, मीठी जैसे प्यार।
5. हारा हुआ पहलवान, कुश्ती से थकता नहीं।
6. सुंदरता से प्यार करने वाला दिल कभी बूढ़ा नहीं होता।
7. एक अकेला फ़ायदा, हज़ारों झाड़-फूंक के बराबर।
8. हथियार, अपने मालिक का भी दुश्मन।
9. अंगारा वहीं जलता है जहां गिरता है।
10. पुल सुरक्षित पार करने तक, भालू को 'चाचा' कहो।
11. मज़ाक में अपने पति को, कुलटा का पति कहो; वह तुम पर

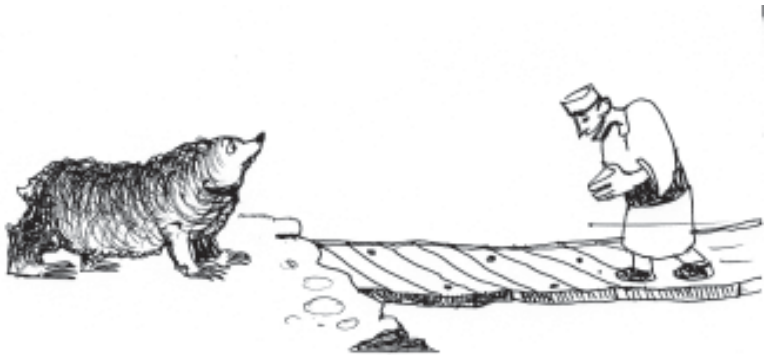

कभी शक नहीं करेगा।

12. चाहे हज़ार चीज़ें जानते हो, पर उससे पूछो जो केवल एक चीज़ जानता है।
13. दो कान और एक ज़बान का मतलब, बोलने से दूना सुनना।
14. अपना ग़म छुपाने वाले को कोई दवा नहीं मिलती।
15. जो संवाद नहीं करता, कुछ नहीं जानता।
16. अपनेआप गिरने वाला कभी रोता नहीं।
17. सच बोलो और एक पैर रकाब में रखो।
18. थोड़ा देने वाला दिल से देता है, ज़्यादा देनेवाला संपत्ति से।
19. जिसके पास रोटी नहीं, उसके कोई अधिकार नहीं।
20. अच्छा साथ होने पर कोई रास्ता लंबा नहीं।
21. गलत सड़क पर चाहे जितना दूर गए हो, लौट आओ।
22. आत्मा का दुख, जैसे लकड़ी का घुन।
23. धोबी के मुकाबले गधे का वर्णन अलग होगा।
24. गलत काम करने का कोई सही तरीका नहीं।
25. सीखने का कोई राजसी रास्ता नहीं।
26. किसी काम-काज को असंभव समझना, उसे वैसा बनाना है।
27. जो तुमसे गप्पें लड़ाता है, तुम्हारे बारे में भी गप्पें उड़ाएगा।

स्पेनी

ये कहावतें, उस ज़मीन से हैं जो मशहूर समुद्री यात्रियों, दुनिया खोजनेवालों तथा दक्षिण अमेरिका महाद्वीप को उपनिवेश बनानेवालों की है। स्पेनी गैलियन जहाज अटलांटिक पार कर, जीतने के लिए यूरोप की नई ज़मीनें खोजते और अमेरिका से सोना लादकर वापस लौटते थे। आज भी ख़ज़ाने के तौर पर पुराने डूबे हुए गैलियनों की ख़ोज होती है! चमकती धूप, सांडों की लड़ाई, दोपहर बाद लंबी झपकी, प्रेमियों के गिटार और फ्लेमिंगो नृत्य, आनंददायक सैर और कार्निवाल, जैतून के तेल और मछलियों के मज़ेदार व्यंजनों वाले स्पेन ने हमें गोया, मीरो, डाली और पिकासो जैसे चित्रकार तथा सेनेका, अवेरूस (इब्न रूश्द), सरवेंटिस एवं लोर्का जैसे लेखक दिए हैं।

1. अगर इश्क पागलपन नहीं तो इश्क नहीं।
2. मुझे सलाह नहीं, पैसा दो।
3. मौन में बेहतरी न कर सको तो बोलो नहीं।
4. पेड़ से गिरा, जलाऊ लकड़ी बना।
5. तीन आदमी तुम्हें गधा कह दें, लगाम लगा लो।
6. स्वास्थ्यप्रद जीवन जियो, जल्दी बूढ़े हो।
7. पोप होना चाहते हो तो और कुछ मत सोचो।
8. भेड़ियों के साथ रहना, माने गुर्राना सीखना।
9. किसी को लड़ाई में जाने या शादी करने की सलाह मत दो।
10. जो हम चाहते हैं वह नहीं मिल सकता तो जो मिलता हो उसे पसंद करो।

11. अक्सर फटे कपड़ों में अच्छा शराबी मिलेगा।
12. चलो, जब तक खून गालों पर उभर आए, पर भौं पर पसीना नहीं।
13. जो तुमसे गप्पें लड़ाता है, तुम्हारे बारे में भी गप्पें उड़ाता होगा।
14. मेरी तकलीफ़ पर मज़ा न लो क्योंकि जब मेरी पुरानी होगी, तुम्हारी नई होगी।
15. खुशामद, दोस्त बनाती है और सच, दुश्मन।
16. अमीर को बेवकूफ़ नहीं कहा जाएगा।
17. जो कुछ नहीं जानता, किसी चीज़ पर संदेह नहीं करता।
18. अपने अज्ञान को प्रकट करने से अच्छा अपना ज्ञान छुपाना।
19. बुरे मामलों में, दिल को दिमाग़ चलाने दो।
20. दोस्त के बिना ज़िंदगी, बिना गवाह के मौत।
21. प्यार, दर्द और पैसा गुप्त नहीं रह सकते।
22. बाग़ में जो माली ने बोया है उससे भी ज़्यादा चीज़ें उगती हैं।
23. जो घोड़े से प्यार नहीं करता, औरत से भी नहीं कर सकेगा।
24. तीन स्पेनी, चार ख़्याल।
25. सब कुछ नकारना, यानि सब कुछ स्वीकारना।
26. कल, अक्सर सप्ताह का सबसे व्यस्त दिन।
27. सच और तेल, हमेशा सतह पर आ जाता है।
28. चाची से मिलने जाओ, पर रोज़ नहीं।
29. सांड को पानी, राजा को शराब।
30. किस्मत तुम्हारा दरवाज़ा खटखटाए तो उसे पूरा खोलो।
31. बुरी मां, अच्छे बच्चे चाहती है।
32. कड़ाही की मार; चोट न लगे, धब्बा तो पड़ता है।
33. मारने की धमकी, धमकी ही रहती है।
34. भक्त का चेहरा, बिल्ली का पंजा।
35. पिता का प्यार; बाकी सब कुछ सिर्फ़ हवा।

36. बेवकूफ़ जब तक लैटिन नहीं जानता, बड़ा बेवकूफ़ नहीं।
37. झुर्रियां दूर रखती है, अच्छी ज़िंदगी।
38. मुर्दा दुश्मन के शरीर, तगड़ा वार।
39. ईसाई भिक्षु; उनके साथ रहो, उनके साथ खाओ, उनके साथ चलो और फिर उनको बेच दो जैसा वे स्वयं करते हैं।
40. कुंवारा, मोर; सगाई की, शेर; शादी की, गधा।
41. बुरी खबर, हमेशा सच।
42. परंपरा चाहे अच्छी हो या बुरी, किसान उसे हमेशा ज़िंदा रखता है।
43. बेगारी करने से खाली बैठना अच्छा।
44. जो गलती करे, उसे एक बार माफ़ करो पर दोबारा नहीं।
45. फ्रांस में मेरे पास एक अच्छी जैकेट है।
46. मैं रखैल, तुम बीवी; फ़र्श कौन साफ़ करेगा?
47. मर गया, तुम्हें माफ़ कर दूंगा; ज़िंदा रहा तो देखी जाएगी।
48. बच्चा रोता है, मां को उसे चुप कराना चाहिए; अगर चुप नहीं होता तो रोने दो।
49. अंगूठियां खो गईं, उंगलियां फिर भी बचीं।
50. ईश्वर देगा, पर एक बंडल अच्छा भूसा, बुरा नहीं।
51. ईश्वर सीधे लिखता है पर घुमावदार लाइनों में।
52. वह मुकदमें में सुरक्षित रहता है जिसका पिता जज हो।
53. जो चलनी से नहीं देख सकता, वह काफी अंधा है।
54. जो झूठ नहीं बोलता, अच्छे ख़ानदान का नहीं।
55. रिश्तेदारों से पहले, मेरे दांत।
56. अच्छा ईसाई भिक्षु, न दोस्त के तौर पर, बुरा भिक्षु न दुश्मन के तौर पर।
57. न उसकी सेवा करो जो नौकर रहा हो, न उससे मांगो जो भिखारी रहा हो।
58. नया प्यार, पुराने प्यार को बाहर कर देता है।
59. रात हुई, सलाह आई।

60. कोई यहूदी बेवकूफ़ नहीं, कोई ख़रगोश सुस्त नहीं।
61. सभी चीज़ें छांटी नहीं जातीं, सभी दोस्त परखे नहीं जाते; न सभी दुश्मनों की पोल खोली और निंदा की जाती है।
62. नर्स; जब तक बच्चा दूध पीता है, तुम रखैल हो और बाद में, कुछ नहीं।
63. पीपे की खुशबू, उसमें रखी शराब की।
64. जो बढ़ना चाहता है; उसके लिए चर्च, समुद्र या शाही महल।
65. सबसे प्यारा बच्चा, मृत है।
66. शैतान पादरी का गाउन पकड़कर चर्च के घंटाघर में जाता है।
67. आग अच्छी तरह जानती है कि वह किसका दामन जलाती है।
68. पहली बीवी झाड़ू है, दूसरी लेडी।
69. वे दोनों मान गए, नाले में दो बिल्लों की तरह।
70. तीन लड़कियां और उनकी मां, बाप के लिए चार शैतान।
71. व्यापारी की कला भुगतान पाने में ज़्यादा, बिक्री में कम।
72. क्वाइलाज़ारा के महाशय; रात में क्या कहा, सवेरे सफ़ा।
73. केंपिलो का दर्जी; किया बेगार, बचा तागा।
74. मेरा हिस्सा मेरा है और भाई जुआन के हिस्से में उसका और मेरा।
75. जो नया है, वह सच नहीं हो सकता।
76. लड़की के ब्याह के लिए अच्छा प्रस्ताव मिले तो उसके बाप के बाज़ार से लौटने का इंतज़ार मत करो।
77. मैं पैदा होने पर रोया और रोज़ इसकी एक वज़ह मिली।
78. दुख, तुम वहां क्यों आते हो जहां मैं जाता हूं।
79. जिसने मरने से पहले अपनी दौलत बांट दी; एक हथौड़ा ले जाओ और उसके सिर पर मारो।
80. अक्ल तब तक हासिल नहीं होती, जब तक उसकी कीमत अदा नहीं की जाती।
81. पैसे होने पर तुम खुद को नहीं जान सकते, बिना पैसे तुमको कोई नहीं जान सकता।

इतालवी

ये कहावतें प्राचीन रोमन साम्राज्य की ज़मीन से हैं। यह ज़मीन सीज़र, फ़ासिस्टी, रूमानी कविता, पास्ता और मैक्रोनी, आइसक्रीम, एस्प्रेसो कॉफ़ी, जैतून के तेल, फैशनेबल कपड़ों, जूतों, कारों तथा दूसरी बहुत सी चीज़ों की है। यह कैथोलिक चर्च, शानदार समुद्रतटीय विश्रामगृहों, केसीनो, प्राचीन खंडहरों और पानीवाले रास्तों, सर्वोत्तम किस्म की नकली मुद्रा और पासपोर्टों तथा ऑपेरा, संगीत, फुटबाल, पोप और बेहतरीन सिनेमा की ज़मीन है।

जूलियस सीज़र, दांते, गैरीबाल्डी, माइकल एजेंलो, दा विंची, गैलीलियो, मुसोलिनी, मैकियावेली एवं फेलिनी आदि कुछ प्रसिद्ध इटलीवासी रहे हैं।

1. खेल खत्म होने के बाद, राजा और मुहरे एक ही डिब्बे में जाते हैं।
2. सबसे अच्छा कवच, मार की पहुंच से बाहर रहना।
3. कहने और करने के बीच, तमाम जूते घिस जाते हैं।
4. सड़क के किनारे घर, जांचनेवाले तमाम।
5. बेचैन नहीं तो इश्क नहीं।
6. थोड़ी जानकारी, जल्दी वर्णन।
7. कुछ न जानना, कोई संदेह भी नहीं।
8. निशाना लगाना काफ़ी नहीं, लगना भी चाहिए।
9. हर लोमड़ी, अपनी पूंछ की फ़िक्र खुद करे।

10. घर जल ही रहा है, गर्मी तो ले लो।
11. शैतान का नाम लिया, शैतान हाज़िर।
12. कुत्तों के साथ सोना, पिस्सुओं के साथ जगना।
13. बीस पैसे उधार देने से अच्छा एक पैसा दान।
14. मोमबत्ती के उजाले में न औरत चुनो, न कपड़ा।
15. दूसरों का मामला, सबको पसंद न्यायपूर्ण फ़ैसला।
16. बिना मांगे न सलाह दो, न नमक।
17. मरीज़ मर जाए, डाक्टर ने मारा; ठीक हो जाए, संतों ने बचाया।
18. मुसीबत तेज़ घोड़े पर सवार होकर आती है।
19. मौन कभी लिखा नहीं गया।
20. बदकिस्मती सो जाए, तो कोई उसे जगाए नहीं।
21. मुस्कराती सुंदर महिला, ख़ाली जेब का इशारा।
22. हड्डियां फेंककर मारने पर कुत्ता कभी नाराज़ नहीं होता।
23. बढ़िया निशानेबाज़, कभी चिड़िया नहीं मारी।
24. एक बेवकूफ़ इतने सवाल पूछ सकता है कि सात बुद्धिमान उनके जवाब नहीं दे सकते।
25. पूरा भरा बोरा अपने कान खड़े कर लेता है।
26. बेवकूफ़, सभी के लिए अपना दिल खोल देता है।
27. लंबी उम्मीद के बाद दिया गया उपहार; दिया नहीं, बेचा जाता है।
28. बुद्धिमानों द्वारा दूसरों का काम जानने के मुकाबले, बेवकूफ़ अपना काम ज़्यादा अच्छी तरह जानता है।
29. ज़िंदगी भर इकट्ठा किया शहद मधुमक्खी का डंक मीठा नहीं करता।
30. सभी भेड़ें भेड़िए के लिए नहीं होतीं।
31. पुराना झगड़ा आसानी से ताज़ा हो जाता है।

32. गुस्से से बढ़ता है प्यार।
33. योजना बुरी है अगर उसे बदला नहीं जा सकता।
34. आग बुझाने के लिए कैसा भी पानी।
35. हथियारों से शांति।
36. जैसी तुम बेटी चाहते हो, वैसी ही बीवी चुनो।
37. बड़ी नदी, दूसरों के बाद पार करो।
38. हर सच, बताने के लिए ठीक नहीं।
39. बुरा करनेवाले, बुरे से डरते हैं।
40. दुबले घोड़े पर है, मक्खियों का हमला।
41. मित्र अपने पर्स बांधते हैं मकड़ियों के जाल से।
42. एक पत्नी और घोड़े के लिए, पड़ोसी के पास जाओ।
43. चोट पहुंचानेवाला, घायल को कभी भूलता नहीं।
44. दूसरे के कुत्तों को रोटी खिलानेवाले पर अपना कुत्ता भौंकता है।
45. अच्छा अनुमान, बढ़िया भविष्यवाणी।
46. जिसके तबेले में अच्छे घोड़े हों, हो सकता है पैदल चले।
47. अच्छी ज़ुबानवाला रोम जा सकता है।
48. ज़मीन, मायने झगड़ा।
49. टोकरी ढोनेवाले का जन्म, हाथ में हत्थे के साथ।
50. कारीगर अपने काम पर उपदेश दे सकता है।
51. कर्ज़ नहीं, साख नहीं।
52. प्यार के युद्ध में भगोड़े जीतते हैं।
53. लड़ाई के समय, हर घोड़े की तनख़्वाह।
54. जिसमें कोई नहीं जीता, वह खेल बुरा है।
55. मामूली ख़र्चे, जेब खाली करते हैं।
56. जैसे ही कानून बनता है, उससे बचने के तरीके खोजे जाते हैं।
57. तीन चीज़ों से शैतान सलाद बनाता है; वकीलों की ज़ुबान,

नोटरियों के आंकड़े और तीसरा अनाम रहेगा।

58. संतों के बावजूद कोई स्वर्ग नहीं जा सकता।
59. एक बेटी, दूसरी की शादी में मदद।
60. एक तलवार दूसरे को म्यान में रखती है।
61. चोर को फांसी से उतारा, वह तुम्हें फांसी चढ़ा देगा।
62. घर में डकैती, पिछले दरवाज़े से।
63. दाढ़ी से दार्शनिक नहीं बनते।
64. बढ़िया मसाले, छोटी थैलियां।
65. शैतान बुरा है, क्योंकि वह बूढ़ा है।
66. कुत्ता चाहे जितना दुष्ट हो, पूंछ हिलाता है।
67. कभी न पकनेवाले फल से ख़राब कोई फल नहीं।
68. साफ़ पानी से बेहतर, गाढ़ी शराब।
69. सोचो ज़्यादा, बोलो कम, लिखो और भी कम।
70. ख़राब किताब से बुरा कोई चोर नहीं।
71. तीन लोग चीज़ों को गुप्त रख सकते हैं, अगर उनमें से दो मर जाएं।
72. राजकुमारों को टोकना, ख़तरनाक; तारीफ़ करना, झूठ।
73. ठेस पहुंचानेवाला बालू पर लिखता है, ठेस खाया पत्थर पर।
74. जो बचाता है, वो बिल्ली के लिए बचाता है।।
75. बुद्धिमान बच्चे और मूर्ख बूढ़े, किसी काम के नहीं।
76. औरत आदतन धोखा देती है, रोती है और सूत कातती है।
77. महिलाओं, मुर्गियों और पुजारियों के लिए कुछ भी ज़्यादा नहीं होता।
78. उपदेश सुनते, तो शायद काफ़िर हो जाते।

आख़िरी बात

इस किताब से गुज़रने के बाद, आदर्श रूप से लगभग 1000 बार खोलने के बाद पाठक को काफ़ी बुद्धि, सूचनाएं, अंतर्दृष्टि और आनंद मिला होगा। बाइबिल में कहावतों का अध्याय है, लेकिन इसके अलावा उसमें और भी बहुत से अध्याय हैं। कहावतों के अलावा और अध्यायों की ज़रूरत क्यों पड़ी? सच है कि कहावतों में बहुत अधिक ज्ञान होता है, पर इनके बावजूद मनुष्य को लंबा जीवन जीना होता है। वेद भी झूठे हो सकते हैं, कहावतें भी नाकाफ़ी हो सकती हैं। परत-दर-परत उभरता मानव जीवन नए से नए सत्य लाता रहता है, लाता रहेगा। तो कहावतों का क्या करें? कहावतों को हल्का-फुल्का न समझें, मगर इनको बहुत अधिक वज़न भी न दें!